केंद्रीय विद्यालय संगठन का 62वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

केंद्रीय विद्यालय वर्धा, (म.गां.अं.हिं.वि) वर्धा महाराष्ट्र में केंद्रीय विद्यालय संगठन का 62 वां स्थापना दिवस एवं दादा दादी / नाना नानी दिवस 14 दिसंबर धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य पर विद्यालय की शिक्षिका सुश्री पूजा ठाकुर ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्या **श्रीमती संध्या निमजे** ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **प्रो. कृष्ण कुमार सिंह** कुलपति एवं अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति और अन्य सदस्यों गणों का हरित स्वागत किया और इस अवसर पर विशेष अतिथि केंद्रीय विद्यालय की एलुमिनी पारुल नंदनवार जी (वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारी पी एन बी वर्धा) का हरित स्वागत किया गया। सबसे पहले मुख्य अतिथि ने सरस्वती माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया तत्पश्चात बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें लोक नृत्य, जनजातीय नृत्य ,देशभक्ति नृत्य, कक्षा IX वीं की छात्रा गाथा पाटिल, और कादंबरी नागरले का वक्तव्य और समूह गीत भारत का स्वर्णिम गौरव केंद्रीय विद्यालय लाएगा..... की प्रस्तुतियां दीं गईं। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में देश के विकास में केंद्रीय विद्यालयों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया जिसने पूरे देश में शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए कार्य किया है। | उन्होंने केंद्रीय विद्यालय वर्धा के सर्वांगीण विकास पर बच्चों और शिक्षकों के उपलब्धियों और प्रयासों की सराहना की । केंद्रीय विद्यालय संगठन की स्थापना दिवस पर विद्यालय प्राचार्या श्रीमती संध्या निमजे ने कहा की 1963 में प्रारंभ हुए केंद्रीय विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में आज अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है संगठन के 1256 केंद्रीय विद्यालयों में 13.5 लाख से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं प्राचार्या ने कहा कि संगठन ने सदैव विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर काम किया है, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं को स्कूल शिक्षा में लागू करने में भी केंद्रीय विद्यालय संगठन अग्रणी भूमिका निभा रहा है और अपनी उच्च सेवाएं देकर सीबीएसई बोर्ड के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और खेलकूद प्रतियोगिताओं में देश में अग्रणी स्थान बनाकर कार्यरत हैं। इसके नवाचार और गुणात्मक शिक्षा के कारण आज केंद्रीय विद्यालय संगठन एक ब्रांड के रूप में स्थापित हो गया है जिसके कारण इस विद्यालय के हर कर्मचारी और छात्र को अपने इस संगठन पर नाज़ है। उन्होंने कहा कि आइए, हम सब मिलकर इसे अग्रणी बनाने में अपना योगदान दें। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुरेन्द्र खोंडे, सुश्री वंदना शर्मा, श्री कुलदीप कुमार, श्री अरुण रांकावत, श्री संजय वाघमारे ,श्री अमरेश कुमार, श्री मदन गवई, श्री रमेश ओझा, श्रीमती तृप्ति शेल्के

,श्रीमती नीलिमा अरशड़, श्रीमती असावरी कपिल , श्री नंदीश्वर तिवारी, श्री शिलवंश थुल ,श्री जितेंद्र मून,श्रीमती संगीता कोहले, सुश्री वृक्षचंदा,सहित समस्त छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

अंत में विद्यालय के शिक्षक श्री धीरज पेटकर ने मुख्य अतिथि एवं समस्त शिक्षक गण एवं छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।